

## **Regarding need to strengthen mental health**

श्री गौरव गोगोई (जोरहाट) : सभापति महोदया, हमारे देश में युवाओं के बीच में मेंटल हेल्थ एक बहुत बड़ा और महत्वपूर्ण विषय बन गया है। विशेष रूप से कोविड के बाद जिस प्रकार से युवा लोग आज सोशल मीडिया पर निर्भर हो चुके हैं, वह हमारे लिए एक तरह के संकट का माहौल है, क्योंकि इस प्रकार का जो यूसेज बढ़ रहा है, उसके साथ ही स्ट्रेस भी बढ़ रहा है, सोशल एंजाइटीज़ बढ़ रही हैं और मेंटल हेल्थ पर एक बहुत नेगेटिव इम्पैक्ट पड़ रहा है।

महोदया, एक चिंताजनक आंकड़ा आया है कि पिछले पांच वर्षों में स्टुडेंट्स के बीच में लगभग 40 हजार से ज्यादा सुसाइड्स हो चुके हैं। हमारा यह देश किस तरफ जा रहा है? जब पिछले पांच वर्षों में 40 हजार युवाओं ने सुसाइड किया है, तो मैं आपका ध्यान बार-बार इस ओर आकर्षित करना चाहूंगा कि हाल ही में नेटफ्लिक्स का एक शो एडोलेस भी आया, जिसमें दिखाया गया कि जब इन्टेन्स एकेडमिक प्रेशर होता है, सोशल मीडिया पर बुलिंग होती है, इमोशनल डिस्ट्रेस होता है, तो हमारे युवाओं पर किस प्रकार का नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

A growing number of young men are also looking up to online male influencers who promote a version of masculinity which is pushing back on feminism. This toxic masculinity affects both men and women.

Therefore, I would request you to have a healthy debate in the Parliament on mental health in young people. We need to teach our youth that real strength lies in facing our emotions, not in repressing them. We need to teach our youth about the value of emotional intelligence. We need to encourage a debate on the role of young men and women, and how they can navigate stresses and anxieties. Thank you very much.